एलाइंस एअर
ALLIANCE AIR
Connecting India

''आवाहन'' (उन्मुक्त उड़ान का)

दिसम्बर, 2025
राजभाषा विभाग

संरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

हिंदी कार्यशाला

दीपावली का आयोजन

संविधान दिवस

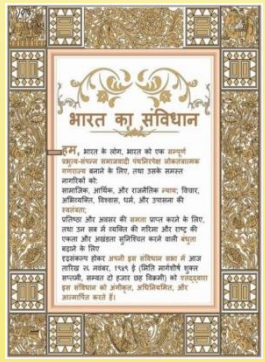

क्रिसमस दिवस का आयोजन

मुख्य कार्यपालक अधिकारी की कलम से

प्रिय पाठको,

राजभाषा विभाग के अथक प्रयासों से राजभाषा ई–पत्रिका ''आवाहन'' का नवीन अंक आपको सौंपते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। राजभाषा हिन्दी का विशेष महत्व है क्योंकि यह देश की सांस्कृतिक विरासत व अस्मिता से जुड़ी है। किसी भी संगठन की प्रगति उसके द्वारा अर्जित किए गए लाभ पर आधारित होती है। इस दिशा में एयरलाइन लगातार काम कर रही है। आज एलाइंस एअर अपने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना के अन्तर्गत उड़ान भर रही है। एलाइंस एअर ने घरेलू उड़ानों में अपना वर्चस्व स्थापित किया हुआ है।

आज प्रतिर्स्पधा के इस दौर में हम सभी को पूरी निष्ठा और लगन से कार्य करते हुए एयरलाइन को नई ऊचांईयों और बुलन्दियों तक ले जाने का भरसक प्रयास करना चाहिएं। राजभाषा ई–पत्रिका ''आवाहन'' के माध्यम से, मैं आप सभी से कहना चाहूंगा कि हिन्दी में कार्य करके हम सभी भारतीय संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए राजभाषा नियमों/अधिनियमों का पालन कर अपने रोजमर्रा के कार्यों में सहज और सरल हिंदी को प्रयोग में लाकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

राजभाषा ई–पत्रिका ''आवाहन'' एक ऐसी आंतरिक पत्रिका है जिसमें आप अपने लेखन प्रतिभा के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। पत्रिका के माध्यम से एलाइंस एअर कार्यालय में हो रही गतिविधियों की जानकारी आप सभी तक पहुंचती है। आशा करते हैं कि राजभाषा ई–पत्रिका को और अधिक रूचिकर बनाने में आपका सहयोग और सुझाव सदैव हमें मिलता रहेगा।

जय हिन्द! जय भारत!

(राजर्षि सेन)
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी की कलम से

प्रिय पाठको,

आप सबके समक्ष राजभाषा ई–पत्रिका ''आवाहन'' प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में राजभाषा पत्रिका का निरंतर प्रकाशन एक महत्त्वपूर्ण योगदान है। राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

कार्यालय में राजभाषा हिंदी का विशेष महत्व है जिसमें आंतरिक राजभाषा ई–पत्रिकाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन पत्रिकाओं के माध्यम से कार्मिकों में हिंदी के प्रति रूचि जागृत होती है और उनमें अधिकाधिक हिंदी में कार्य करने की इच्छा उत्पन्न होती है। भौगोलिक दृष्टि से भी हिंदी विश्व भाषा है क्योंकि हिंदी बोलने, लिखने और समझने वाले लोग पूरे विश्व में व्याप्त हैं। आज विश्व स्तर पर हिंदी निरंतर अपनी आवश्यकता सिद्ध करती जा रही है। हिंदी हिंदुस्तान की राजभाषा होते हुए भी आज विश्व में एक सशक्त संपर्क के रूप में अपनी मजबूती बनाए हुए है।

वतर्मान समय में हमारा लक्ष्य एयरलाइन को प्रोत्साहित करना है। इस दिशा में एलाइंस एअर लगातार आगे बढ़ने का प्रयास कर रही है। अपने उद्देश्य में सफल होने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करना है।

मैं, आशा करता हूं कि राजभाषा ई–पत्रिका आवाहन को और अधिक रूचिकर बनाने में आपका सहयोग और सुझाव निरंतर मिलता रहेगा।

जय हिंद। जय भारत।

(विमल किशोर त्रिपाठी)
कार्मिक प्रधान एवं राजभाषा अधिकारी

हिंदी कार्यशाला

दिनांक 04 नवम्बर, 2025 को एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी जानने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 14 अधिकारियों/कर्मचारियों जिनमें सर्वश्री जयप्रकाश कुमार, प्रशिक्षु, निरन्तर उड़नयोग्यता विभाग, श्री आकाश वर्मा, प्रशिक्षु, निरन्तर उड़नयोग्यता विभाग, श्री देवेन्द्र सिंह नेगी, अधिकारी, कार्मिक, श्री योगेश कुमार, अधिकारी, कार्मिक, सुश्री सीमा दास, वरि. पर्यवेक्षक, उड़ानगत सेवाएं विभाग, सुश्री सपना सिंह, अधिकारी, प्रचालन, श्री मुकेश भट्ट, वरि. पर्यवेक्षक, क्रू अलाउंस, सुश्री प्रीति नेगी, अधिकारी, विपणन, श्री तरूण गुप्ता, प्रबंधक, क्रय एवं विक्रय, श्री चन्द्रपाल सिंह, सहायक प्रबंधक, कार्गो, श्री मनीष गुगनानी, प्रबंधक, कॉल सेंटर, श्री विभाकर शर्मा, उप प्रबंधक, क्यूएमएस, श्री नीरू गुप्ता, अधिकारी, वाणिज्य, सुश्री आकांक्षा, वरि. पर्यवेक्षक, वित्त ने भाग लिया।

कार्यशाला में स्लाइड के माध्यम से गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2025–26 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की जानकारी दी गई। हिंदी कार्यशाला में अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी कार्यान्वयन की जानकारी देते हुए बताया गया कि गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए कार्यालय कार्य में रोजमर्रा उपयोग में आने वाले सरल और सहज हिंदी शब्दों को प्रयोग में लाने, हिंदी की छोटी–छोटी टिप्पणियां, नोटिंग ड्राफ्टिंग आदि से हिंदी के पत्राचार को बढ़ाया जा सकता है।

कम्प्यूटर में हिंदी में काम करने के लिए हिंदी यूनिकोड की सुविधा और उसकी उपयोगिता के बारे में सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बताया गया। कार्यशाला में सभी को कम्प्यूटर पर यूनिकोड में हिंदी टंकण का अभ्यास एवं विभागों के नाम, पदनाम हिन्दी में लिखने का भी अभ्यास कराया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों में राजभाषा दायित्वों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से जागरूक करना है।

उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिंदी कार्यशाला की प्रशंसा की।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

नैतिक कहानी – उधारी

सत्तर वर्षीय पूर्णमल अपनी पोती नीलू को स्कूल से घर लाने के लिए आया था। स्कूल की छुट्टी होते ही बरसात शुरू हो गई। पूर्णमल ने तुरन्त पोती को अपने छाते के नीचे ले लिया ताकि वह भीग न जाए। अचानक पूर्णमल ने देखा कि एक सूटेड–बूटेड सज्जन स्कूल से बाहर भीगते हुए निकला। पूर्णमल ने शिष्टाचार वश उस अनजान व्यक्ति को भी अपने छाते के नीचे ले लिया। वह व्यक्ति ठिठकता हुआ रूक गया और गौर से पूर्णमल और उसकी पोती को देखते हुए बोला, थोड़ा जल्दी में था इसलिए गाड़ी से छतरी निकालना भूल गया। पूर्णमल बोला कोई बात नहीं बेटा, मैं तुम्हें तुम्हारी गाड़ी तक छोड़ देता हूं। उस सज्जन व्यक्ति ने देखा कि पूर्णमल ने छाता उसकी तरफ ज्यादा झुका दिया था। जिस कारण पूर्णमल का आधा शरीर भीग रहा था। ये देखकर उस सज्जन की आंखें सजल हो गई उसे याद आया बचपन में उसके दादा जी ऐसा ही करते थे। खुद भीग जाते थे पर उस पर पानी की एक बूंद नहीं गिरने देते थे वह सज्जन व्यक्ति बोला, बाबा आप छाते को सीधा रखिए अगर सारा मेरे ऊपर कर देंगे तो आप भीग जाओगे। पूर्णमल बोला बेटा चिंता मत करो मेरा घर पास में ही है, मैं जाते ही कपड़े बदल लूंगा मगर तुम्हें तो गाड़ी के अंदर बैठा दूं क्योंकि अगर भीगे हुए गाड़ी में बैठोगे तो गाड़ी खराब हो जाएगी। वह व्यक्ति चुपचाप चलता रहा गाड़ी स्कूल कैंपस से काफी दूर खड़ी थी इस कारण उन्हें धीरे–धीरे चलते हुए काफी वक्त लग गया। उस सज्जन ने गाड़ी में बैठने के बाद पूर्णमल को भरी आखों से हाथ जोड़कर धन्यवाद कहा और चला गया।

इस घटना के कुछ समय बाद एक रात पूर्णमल की पोती की तबियत खराब हो गई जब उसका बेटा नीलू को लेकर हॉस्पिटल जा रहा था तब पूर्णमल भी उसके साथ चल पड़ा। पोती से ज्यादा लगाव होने के कारण वह घर पर नहीं रह सका। बाप बेटा दोनों नीलू को लेकर शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में पहुंचे तो गार्ड ने कहा डॉक्टर साहब अभी–अभी अपने घर गए हैं अब तो सुबह ही वापस आएंगे। पूर्णमल और उसका बेटा नीलू को दूसरे हॉस्पिटल में ले जाने के लिए निकले ही रहे थे कि गार्ड दौड़ता हुआ वापस आया और बोला डॉक्टर साहब का फोन आया है। आप दस मिनट इंतजार कीजिए वे अभी आ रहे हैं। पूर्णमल के बेटे ने गार्ड से पूछा बड़े डॉक्टर साहब कौन हैं। गार्ड बोला बड़े डॉक्टर साहब इस हॉस्पिटल के मालिक हैं उन्होंने घर से आपको सीसीटीवी कैमरे में देख लिया है। शायद आपको पहचानते हैं इसलिए इतनी रात को आ रहे हैं। पूर्णमल के बेटे ने हॉस्पिटल के मालिक का नाम पूछा, अनूप कुमार, गार्ड ने बताया, दोनों बाप बेटे एक दूसरे का मुंह देखने लगे उनके चेहरे से साफ जाहिर था कि इस नाम के किसी भी व्यक्ति को वे नही जानते थे मगर दस मिनट के बाद पैंतालीस साल का हॉस्पिटल का मालिक जब उनके सामने आया तब भी दोनों उसे नहीं पहचान पाए।

डॉक्टर अनूप कुमार ने आते ही नीलू को संभाल लिया दवा दी इंजेक्शन लगाए। दो तीन जांचे भी की। दो घंटे के इलाज के बाद नीलू का पेट दर्द कम हो गया और वह नार्मल हो गई। फिर अनूप कुमार ने उन्हें बताया नीलू का फूड पॉइजन हुआ है मगर अब नार्मल है इसे घर ले जाइए साथ में कुछ दवाएं दे रहा हूं उन्हें टाइम पर देते रहना और कोई प्राब्लम हो तो हॉस्पिटल ले आना। जब नीलू के पिता ने बिल मांगा तब डॉक्टर अनूप कुमार बोला आपके पिता ने बिल पहले ही चुका दिया था मैंने तो उनकी उधारी चुकाई है। फिर डॉक्टर पूर्णमल की तरफ देखते हुए बोला बाबा आपने मुझे पहचाना नहीं, मैं वह व्यक्ति हूं जिसको आपने बरसात से बचाया था।

याद कीजिए वो दिन जब आप नीलू को स्कूल से लाने गए थे तब मैं भी किसी काम से उस स्कूल में गया हुआ था आपने खुद को भिगो कर मुझे मेरी गाड़ी तक छोड़ा था। पूर्णमल अपने आंखों पर चश्मा ठीक करते हुए बोला बेटा वो कोई ऋण थोड़े था जो तुम बिल माफ कर दोगे वो इंसानियत के नाते मेरा फर्ज था मैंने निभाया तुम फीस और दवा के पैंसे लो। डॉक्टर अनूप कुमार बोला बाबा वो ऋण से भी बढ़कर था आपकी निस्वार्थ सेवा ने मेरा हृदय परिवर्तन कर दिया है उस दिन का ऋण इतना हो गया है कि मैं उसे अपने जीवनभर चुकाना पसंद करूंगा। उस दिन के बाद मैं गरीब और जरूरतमंदों का इलाज मुफ्त में करता हूं उसके बाद दिल को जो सकून मिलता है वो आपकी याद दिला देता है।

देखिए ना आपकी छवि मेरे दिल में इस तरह बैठ चुकी है कि सीसीटीवी पर एक नजर पड़ते ही मैंने आपको पहचान लिया और दौड़ा हुआ यहां आ गया। पूर्णमल आश्चर्य से उस शख्स को देख रहा था जिसे कुछ मिनट छाते का सहारा दिया और वो हमेशा उसका ऋणी हो गया। पूर्णमल ने कहा बेटा फीस के पैसे बेसक मत लो दवा और जांच के पैंसे ले लो। डॉक्टर अनूप कुमार हाथ जोड़कर बोला सिर्फ आशीर्वाद दीजिए बाबा कि मैं हमेशा ऐसा बना रहूं। उस दिन आपके छाते के नीचे जो सुख और अनुभूति मुझे मिली थी उसका ऋण जीवनभर चुकाता रहूं सचमुच बाबा आपकी उधारी चुकाने में इतना आनंद आ रहा है कि मेरा तो जीवन ही सार्थक हो गया। पूर्णमल और उसके बेटे ने डॉक्टर से पैंसे लेने के लिए काफी मिन्नतें की मगर डॉक्टर ने हाथ जोड़ दिए क्योंकि पूर्णमल उसका गुरू था। जिसने निस्वार्थ इसे सेवा करना सीखा दिया वह गुरू से पैसे कैसे लेता गुरू की तो उस पर उधारी थी और उधारी को उसने जीवनभर गरीबों की सेवा करके उतारना था।

आइए हम भी अपनी उधारी चुकाएं, आपने माता–पिता जिन्होंने हमें ये जीवन दिया है अपने दादा–दादी का जिन्होंने हमें लाड़–प्यार दिया है, उन दोस्तों की जिन्होंने हमें मुस्कराने की वजह दी है, उन सबकी उधारी चुकाएं जिन्होंने हमें जीने की वजह दी है उसकी उधारी भी चुकाएं जिससे हमने सचमुच के पैंसे उधार लिए है। जो हमारे उस समय काम आया जब हमें उसकी जरूरत थी और उस भगवान की उधारी भी चुकाए जिसने हमें मानव जीवन देकर इस धरती पर भेजा है।

आइए हम सब अच्छे इंसान बनें, एक दूसरे के काम आएं और हर चेहरे पर मुस्कराहट बाटें।

(कमला मेहरा)
उप प्रबंधक, राजभाषा

The Black Spot - (.) प्रेरक कहानी

एक बार एक प्रोफेसर ने कक्षा में प्रवेश किया और अपने विद्यार्थियों की परीक्षा लेने का निर्णय लिया। अचानक टेस्ट लेने के निर्णय से विद्यार्थी चिंतित हो गए। प्रोफेसर ने सभी विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र दिया जिसमें बहुत सारे प्रश्न लिखे हुए थे। सभी को प्रश्नपत्र देने के बाद प्रोफेसर ने विद्यार्थियों से कहा कि प्रश्नपत्र को उलटा करो और उत्तर लिखने शुरू करो।

सभी विद्यार्थी अचंभित हो गए क्योंकि प्रश्नपत्र के पीछे एक भी प्रश्न नहीं था, केवल एक काले बिंदु (Black Spot.) को छोड़कर पूरा पेज खाली था। प्रोफेसर ने कहा – आप को इस पेज पर जो कुछ भी नजर आ रहा है उसके बारे में लिखो

विद्यार्थी कुछ समझ नहीं पा रहे थे कि उस खाली पेज के बारे में क्या लिखें! कुछ समय बाद प्रोफेसर ने सभी के उत्तर पढ़ने शुरू किए।

सभी विद्यार्थियों ने उस खाली पेज पर अंकित काले बिंदु (Black Spot.) के बारे में लिखा। किसी ने बिंदु (Black Spot.) के आकार, तो किसी ने बिंदु की स्थिति और दिशा के बारे में लिखा।

सभी के उत्तर पढ़ने के बाद प्रोफेसर ने कहा – आज मैं आप लोगों को कोई ग्रेड या अंक नहीं देने आया हूँ बल्कि मैं आज आपको एक महत्वपूर्ण बात बताना चाहता हूँ। किसी भी विद्यार्थी ने उस पेज के सफेद हिस्से के बारे में नहीं लिखा। सभी का ध्यान उस पेज पर बने छोटे से बिंदु पर था।

ऐसा ही हमारे जीवन में भी होता है। हमारे पास पूरा सफेद पेज है, लेकिन हम हमेशा उस छोटे से काले बिंदु (Black Spot.) के समान छोटी–छोटी समस्याओं के बारे में सोचते रहते हैं। ईश्वर ने हमें जीवन रुपी उपहार दिया है, जिसमें हमारे पास हमेशा खुशियाँ मनाने का कोई न कोई कारण होता ही है, लेकिन फिर भी हम छोटी–छोटी समस्याओं से चिंतित होते रहते है।

प्रोफेसर ने कहा कि हमारे जीवन में काले बिंदु का स्थान बहुत छोटा है इसलिए अपना ध्यान उस काले बिंदु से हटा दीजिए और सकारात्मक जीवन की राह में आगे बढिए और जीवन रूपी सफेद पेज को रंग–बिरंगे अपने क्रिया–कलापों और अपने अनुभवों से भर दें।

राजभाषा से संबंधित जानकारी

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343(1) के तहत, 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की आधिकारिक राजभाषा (Official Language) घोषित किया गया, जो 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुई। यह सरकारी कामकाज, प्रशासन और न्यायपालिका की भाषा है। भारत सरकार के कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा नियम 1976 का पालन किया जाता है।

राजभाषा हिंदी से संबंधित मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:–

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार, देवनागरी लिपि में हिंदी भारत की राजभाषा है, जिसका उपयोग प्रशासनिक कार्यों के लिए किया गया।
- **संवैधानिक प्रावधान:** संविधान के भाग 17 के अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी प्रावधान हैं।
- **हिंदी का दर्जा:** 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया, इसलिए 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- **राजभाषा नियम, 1976:** इसके तहत देश को तीन भाषायी क्षेत्रों–'क' (हिंदी भाषी) 'ख' (गुजरात, महाराष्ट्र आदि) और 'ग' (अन्य राज्य) में विभाजित किया गया है।
- **अंग्रेजी की भूमिका:** राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अनुसार, हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी का प्रयोग भी सरकारी कामकाज में किया जा सकता है।
- **लिपि:** हिंदी की लिपि देवनागरी है।
- **अंक:** भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप (1, 2, 3, 4, 5 ..... आदि) का प्रयोग किया जाता है।
- **राजभाषा नियम 5:** राजभाषा नियम 5 के अन्तर्गत हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना अनिवार्य है।
- **अन्य भाषाएं:** संविधान की अष्टम अनुसूची में 22 भारतीय भाषाओं को मान्यता दी गई है, जिनमें से राज्य अपनी प्रशासनिक भाषा चुन सकता है।
- **संघ की भाषा:** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार संघ की आधिकारिक भाषा हिंदी और लिपि देवनागरी है। हिंदी के साथ–साथ, राजभाषा अधिनियम 1963 के तहत सरकारी कामकाज में अंग्रेजी का प्रयोग भी जारी रखा जा सकता है।
- **प्रशासनिक उपयोग:** केंद्र सरकार के मंत्रालयों, विभागों और उपक्रमों में राजभाषा का सुचारू रूप से कार्यान्वयन करने के लिए भारत सरकार, गृह मंत्रालय के तहत एक राजभाषा विभाग काम करता है, जो अधिकाधिक कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देता है।
- **सह–भाषा:** प्रशासनिक कार्यों के लिए हिंदी के साथ–साथ अंग्रेजी का उपयोग जारी है।
- राजभाषा अधिनियम, 1963 के अनुसार, हिंदी और अंग्रेजी का प्रयोग सरकारी कामकाज, संसद और उच्च न्यायालयों में किया जा सकता है।

राजभाषा विभाग
एलाइंस एअर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में विभिन्न आयोजित कार्यक्रमों में एलाइंस एअर, राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिनिधित्व।

दिनांक 30 अक्तूबर, 2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा **तकनीकी संगोष्ठी** का आयोजन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 03 नवम्बर, 2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) के तत्वाधान में ईसीजीसी लि. द्वारा **राजभाषा तकनीकी कार्यशाला** का आयोजन स्कोप कॉम्पलैकस लोदी रोड़, नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 07 नवम्बर, 2025 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम–2) दिल्ली, के तत्वाधान में भारत पर्यटन विकास लि. द्वारा **राजभाषा पुरस्कर वितरण समारोह एवं हिंदी कवि गोष्ठी** का आयोजन दि अशोक होटल, नई दिल्ली में किया गया।

आज का ज्ञान

आप एक पत्थर लिजिए और उसे एक कुत्ते को मारिये, आप देंखेगे की कुत्ता डरकर भाग जाएगा। अब फिर वही पत्थर लिजिए और उसे मधुमक्खी के छत्ते पर दे मारिये, फिर देखिएगा की मधुमक्खियां आप का क्या हाल करती हैं।

पत्थर वही है और आप भी वही हैं, बस फर्क इतना सा है कि कुत्ता अकेला था और मधुमक्खियां झुण्ड में थी। इसलिए पत्थर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाया।

सारांशः– एकता में ही बल है, इसलिए हमें एकजुट होकर रहना चाहिए।

एलाइंस एअर में 13 से 17 अक्तूबर 2025 तक संरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन

एलाइंस एअर द्वारा उड़ान संरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उसे बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें संरक्षा, ईआरपी, डीएमएस, चिकित्सा और क्यूएमएस के लिए ई–पोस्टर जारी करना और महत्वपूर्ण संरक्षा उपायों पर प्रकाश डालने वाला एक न्यूजलेटर शामिल था। पायलटों, केबिन क्रू और इंजीनियरों के बीच संरक्षा मुद्दों पर संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ग्राउंड स्टाफ के लिए प्राथमिक चिकित्सा सत्र भी आयोजित किया गया।

उड़ान संरक्षा जागरूकता सप्ताह का मुख्य उद्देश्य हमारे यात्रियों, क्रू दल के सदस्यों और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के महत्व पर जोर देना था। कंपनी द्वारा निर्मित विमान मॉडल के आस–पास संरक्षा संबंधी नाटक प्रस्तुत करके और इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर, हमने न केवल कर्मचारियों के ज्ञान को बढ़ाया बल्कि अपने संगठन के भीतर एक मजबूत संरक्षा/न्यायपूर्ण संस्कृति के निर्माण में भी योगदान दिया। मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के तहत माइंडफुल गेम्स गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

संरक्षा संबंधी नाटक, माइंडफुल गेम्स (मनोरंजक गतिविधियां) हवाई अड्डे के रैंप का भ्रमण

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

एलाइंस एअर में 27 अक्तूबर से 2 नवंबर 2025 तक आयोग के दिशानिर्देशों के अनुपालन में, **''सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी''** विषय पर आधारित सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) 2025 को पूरे नेटवर्क में मनाया गया। वीएडब्ल्यू 2025 का शुभारंभ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए औपचारिक शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ। एलाइंस एअर के सीईओ ने दीप प्रज्जवलन के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया, जिसके पश्चात् उन्होंने सभी को संबोधित किया। उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण प्राप्त करने के लिए सभी कर्मचारियों की साझा जिम्मेदारी पर जोर दिया और इस लक्ष्य को संगठन के लक्ष्यों से जोड़ा।

एलाइंस एअर अपने कर्मचारियों को जीवन में ईमानदारी के महत्व को समझने के लिए हमेशा से प्रोत्साहित और प्रेरित करता रहा है, ताकि राष्ट्र की समृद्धि सुनिश्चित हो सके।

भारतीय संविधान दिवस

भारत का संविधान उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक ''संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता, सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

बचपन

जब बच्चे थे, बालक मन में उठते कई सवाल थे।
उनका उत्तर खुद ही देना, ऐसे ही उनके जवाब थे।।
कभी सोचते ऐसा होगा, कभी सोचते वैसा
पर कुछ का कुछ हो जाता, जैसा सोचा ना था।।

बचपन की कुछ बातें ऐसी, जो अक्सर याद आती।
कभी हंसाती, कभी रूलाती, कभी आंखें नम कर जाती।।

बचपन में खेलते–कूदते पूरा दिन बीत जाता।
रात होने पर अगले दिन का पूरा खाका तैयार हो जाता।।
हम सब मिलकर मस्ती करते, साथ में लड़ते भी।
दोस्तों के साथ खेलते व पढ़ते लिखते भी।।
काश ऐसे ही हम, हमेशा बच्चे रहते।
और जीवन के सारे झंझटों से हमेशा बचे रहते।।

बचपन ही एक ऐसा था जो बीत कर भी याद आता और
आज भी याद आने पर होठों पर मुस्कराहट ले आता।

रचना पुण्डीर
उप प्रबंधक (राजभाषा)

दीपावली का आयोजन

दीपावली के शुभ अवसर पर एलाइंस एअर में दिनांक 17 अक्तूबर, 2025 को एलाइंस भवन में लक्ष्मी पूजन का आयोजन किया गया। एलाइंस एअर के अध्यक्ष श्री अमित कुमार एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवलन कर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। अध्यक्ष महोदय ने कहा कि दीपावली न केवल अंधकार को दूर करती है, बल्कि यह सभी के जीवन में हर्ष, उल्लास और सकारात्मकता लाती है। दीपावली भारत के सबसे बड़े और सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। आध्यात्मिक रूप से यह अन्धकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता है। दीपावली पर्व के आयोजन की कुछ झलकियां इस प्रकार हैं :–

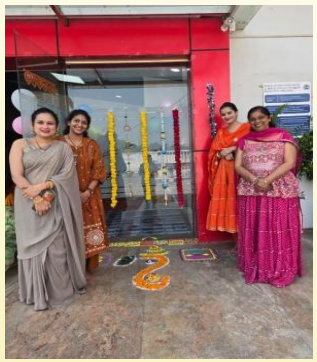

क्रिसमस दिवस का आयोजन

इतिहास लिखने के लिए कलम नहीं हौंसलों की जरूरत होती है।

कृपया अपनी प्रतिक्रिया से अवश्य अवगत कराएं।

प्रस्तुतिकरणः
विनोद चन्द्र सनवाल
कमला मेहरा
रचना पुण्डीर

राजभाषा विभाग, एलाइंस एअर, मुख्यालय

सम्पर्क – 011–25674178
ई मेल– **rajbhasha@allianceair.in**